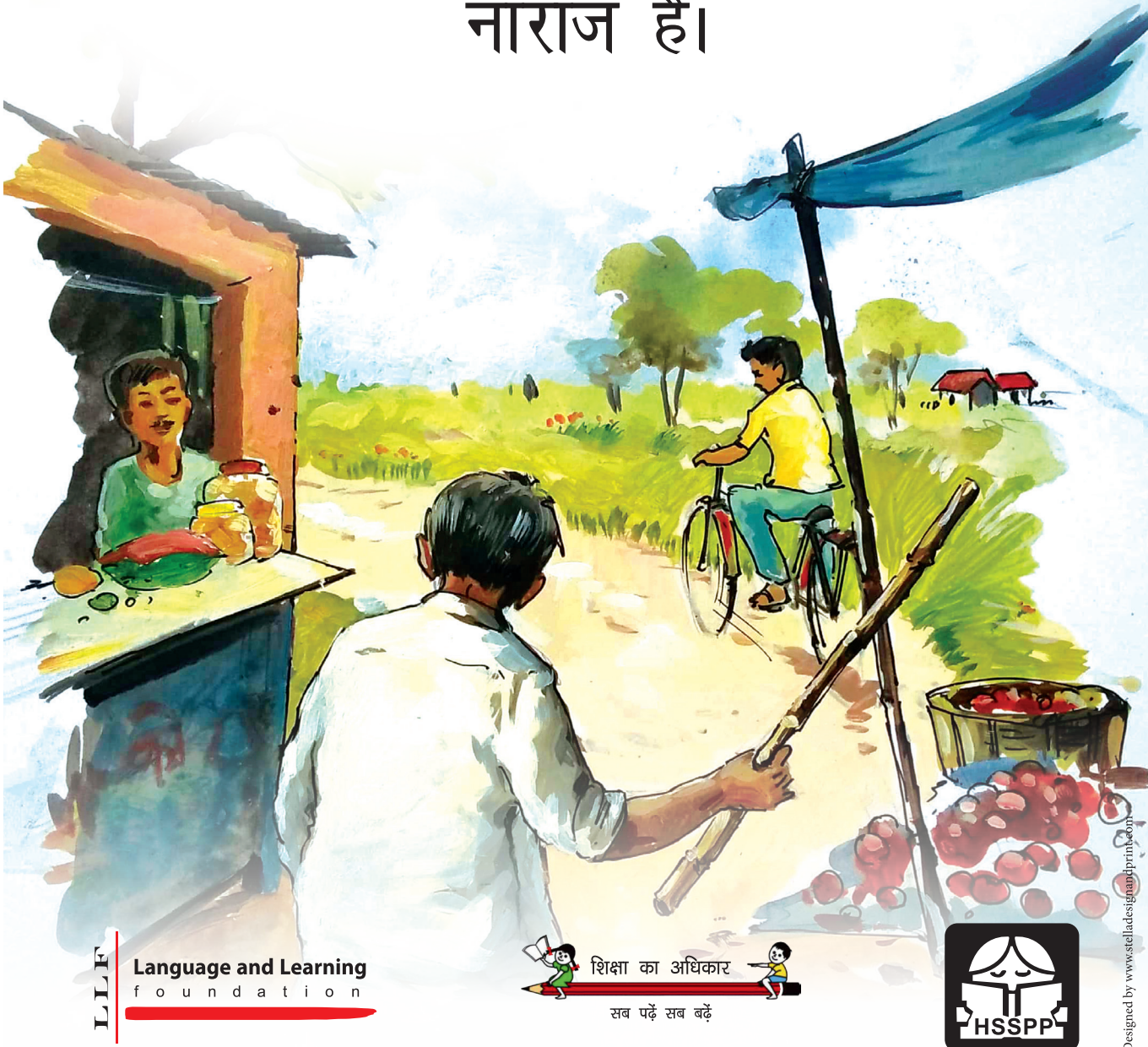


तभी पानवाले ने देखा। रामसहाय के पिता लाठी लिए आ रहे हैं। पानवाला समझ गया, रामसहाय से पिताजी फिर नाराज हैं।



रामसहाय की साइकिल



रामसहाय साइकिल चला रहा था।
बहुत तेज...। वह बाजार से गुजरा।



हलवाई ने उसे टोका।
रामसहाय नहीं रुका।



पानवाले ने उसे रोका। रामसहाय नहीं
रुका। लोग सोच रहे थे, रामसहाय
रुकता क्यों नहीं?

